U.G. 4th Semester Examination - 2020

SANSKRIT

[PROGRAMME]

Course Code : SANP-CC-T-4

Full Marks : 60 Time : $2\frac{1}{2}$ Hours

The figures in the right-hand margin indicate marks.

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. Answer any **ten** questions: 2×10=20

যে-কোনো **দশটি** প্রশ্নের উত্তর দাও ঃ

a) What is the meaning of the word 'लघुसिद्धान्तकौमुदी'?

'लघुसिद्धान्तकौमुदी'—শব্দটির অর্থ কি?

b) What is 'प्रत्याहार'?

'प्रत्याहार' কি?

c) Which suffixes are called as 'प्रथमा'?

কোন্ কোন্ প্রত্যয়কে 'प्रथमा' বলা হয়?

d) What is the meaning of the word 'वचन' in 'मुखनासिकावचनोऽनुनासिकः'?

'मुखनासिकावचनोऽनुनासिकः'—সূত্রে 'वचन' শব্দটির অর্থ কি?

e) How did वरदराजाचार्य avoid सावर्ण्य between अकार and हकार?

বরদরাজাচার্য অকার ও হকারের সাবর্ণ্য কিভাবে নিষিদ্ধ করেছেন?

f) According to अष्टाध्यायी what is 'संयोग'?

অষ্টাধ্যায়ী অনুসারে 'संयोग' কাকে বলে?

g) Which letters are called as 'गुण'?

কোন্ কোন্ বর্ণগুলিকে 'गुण' বলা হয়?

h) What does 'संहिता' mean?

'संहिता' বলতে কি বোঝায়?

i) What is 'इत्'?

'इत्' কি?

j) What is the meaning of the word 'शेष' in 'षष्ठी शेषे'?

'षष्ठी शेषे' সূত্রে 'शेष' শব্দটির অর্থ কি?

k) According to वरदराजाचार्य what is the significance of the 'च' in 'सप्तम्यधिकरणे च'?

বরদরাজচার্যের মতে 'सप्तम्यधिकरणे च' সূত্রে 'च'-এর তাৎপর্য কি ?

l) What does 'पद' mean?

'पद' বলতে কি বোঝায়?

m) 'राम! आगच्छ।'—account for case-ending in the underlined word.

'राम! आगच्छ।'—রেখাঙ্কিত পদে বিভক্তিবিধানের কারণ দেখাও।

n) What is the meaning of 'स्वतन्त्रः' in 'स्वतन्त्रः कर्ता'?

'स्वतन्त्रः कर्ता' সূত্রে 'स्वतन्त्रः' পদটির অর্থ কি?

o) How many kinds of 'आभ्यन्तरप्रयत्न' are? Write their names.

'आभ्यन्तरप्रयत्न' কত রকম? তাদের নামগুলি লেখ।

2. Answer any **four** questions: 5×4=20

যে-কোনো **চারটি** প্রশ্নের উত্তর দাও ঃ

a) Disjoin the euphonic combination (any **five**):

সন্ধিবিচ্ছেদ কর (যে-কোনো **৫টি**) ঃ

सहेता, बृद्धिरादैच्, तुल्यास्यप्रयत्नम्, एत्येधत्यूठ्सु, ऊकालोऽजझस्वदीर्घप्लुतः, विष्णवे, उपोषति, सच्चिदानन्दः

b) Join any **five** of the following:

নিম্নলিখিত উদাহরণগুলির মধ্যে যে-কোনো **৫টির** সন্ধি করো ঃ

देवता + ऋषभः, ददातु + ओदतम्, सदा + एव, नौ + अक, प्र + एजते, हरे + अव, तत् + टीका, देवाः + इह

c) Justify the case-ending and its meaning of the following underlined words (any **three**):

নিম্নলিখিত রেখাঙ্কিত পদগুলির বিভক্তি ও তার অর্থ নির্ণয় কর (যে-কোনো **তিনটি**) ঃ

i) तिलेषु तैलम्।

ii) इन्द्राय वषट्।

iii) रामः रावणं हतवान्।

iv) सर्पिषः जानीते।

v) दैत्येभ्यः समर्थः हरिः।

vi) हस्तेन खादति।

d) Explain and illustrate: ध्रुवमपायेऽपादानम् or आधारोऽधिकरणम्.

ব্যাখ্যা কর ঃ ध्रुवमपायेऽपादानम् অথবা आधारोऽधिकरणम्।

e) Explain and illustrate: अणुदित्सवर्णस्य चाऽप्रत्ययः or इको यणचि.

ব্যাখ্যা কর ঃ अणुदित्सवर्णस्य चाऽप्रत्ययः অথবা इको यणचि।

f) Explain: अभिहिते तु कर्मादौ प्रथमा or सूत्तेष्वदृष्टं पदं सूत्तान्तरादनुवर्तनीयं सर्वत्र.

ব্যাখ্যা কর ঃ अभिहिते तु कर्मादौ प्रथमा অথবা सूत्तेष्वदृष्टं पदं सूत्तान्तरादनुवर्तनीयं सर्वत्र।

g) Explain: उपदेश आद्योच्चारणम् or यणः प्रतिषेधो वाच्यः.

ব্যাখ্যা কর ঃ উপদেশ আদ্যোচ্চারণম্ অথবা যণঃ প্রতিষেধো বাচ্যঃ।

3. Answer any **two** questions: 10×2=20

যে-কোনো **দুটি** প্রশ্নের উত্তর দাও ঃ

a) Explain the sūtra 'प्रातिपदिकार्थलिङ्गपरिमाणवचनमात्रे प्रथमा' with examples along with commentary of वरदराजाचार्य.

বরদরাজাচার্যের বৃত্তি সহযোগে উদাহরণ দিয়ে 'প্রাতিপদিকার্থলিঙ্গপরিমাণবচনমাত্রে প্রথমা' সূত্রটি ব্যাখ্যা কর।

b) Explain the sūtra 'अकथितञ्च' with examples along with commentary of वरदराजाचार्य.

বরদরাজাচার্যের বৃত্তি সহযোগে উদাহরণ দিয়ে 'অকথিতঞ্চ' সূত্রটি ব্যাখ্যা কর।

c) Discuss in brief स्थान and प्रयत्न of Sanskrit letters with examples along with commentary of वरदराजाचार्य.

বরদরাজাচার্যের বৃত্তি সহযোগে উদাহরণ দিয়ে সংস্কৃতভাষার বর্ণের উচ্চারণ স্থান ও প্রযত্ন সম্পর্কে সংক্ষেপে আলোচনা কর।

d) Discuss briefly the characteristics and importance of 'शिवसूत्र' in Pāṇinian Grammar.

পাণিনীয় ব্যাকরণে শিবসূত্রের গুরুত্ব ও তার বৈশিষ্ট্যগুলি সংক্ষেপে আলোচনা কর।

———————